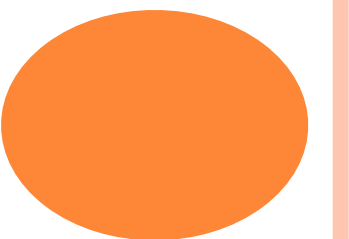




ENSURING LAST MILE  
DELIVERY  
OF SERVICES TO THE NEEDY  
PULKIT GARG  
CDO SIDDHARTHNAGAR



District Profile: Siddharthnagar

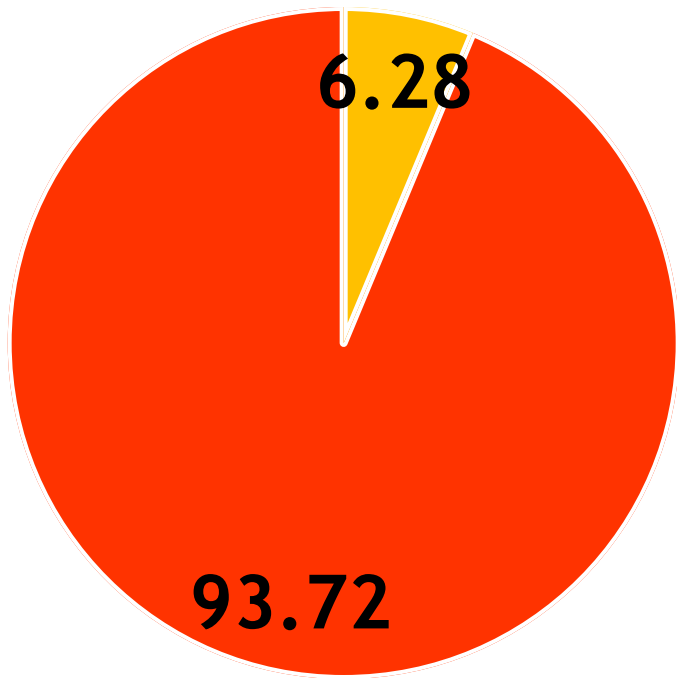
Demography

14  
Blocks

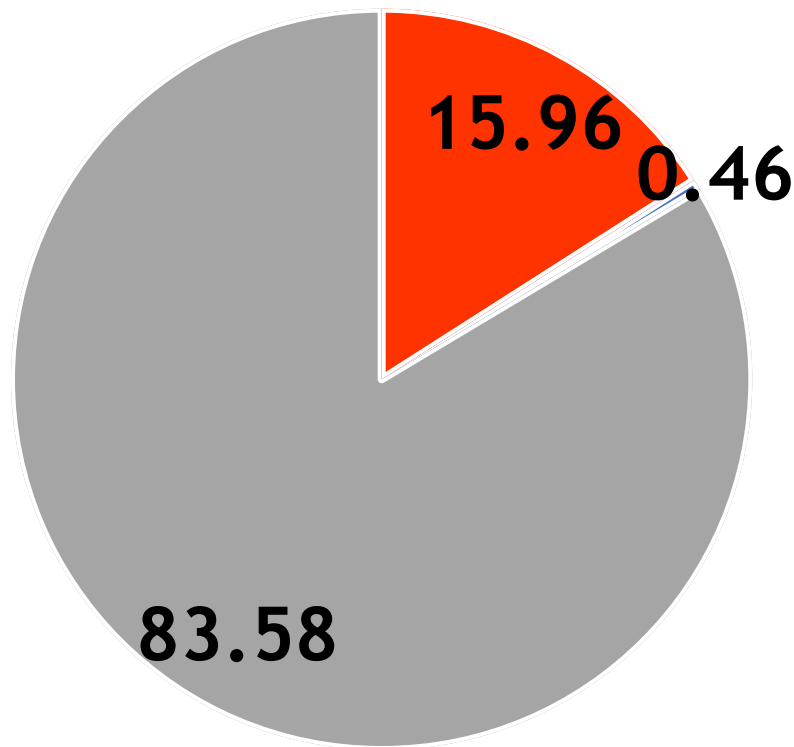
152  
Clusters

2336  
Villages

Population



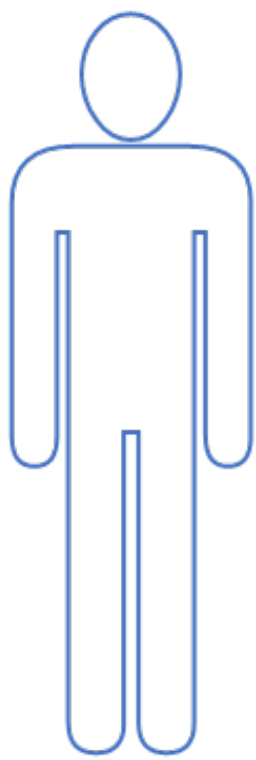
- Urban
- Rural



- SC Population
- ST Population
- Others

Literacy Rate

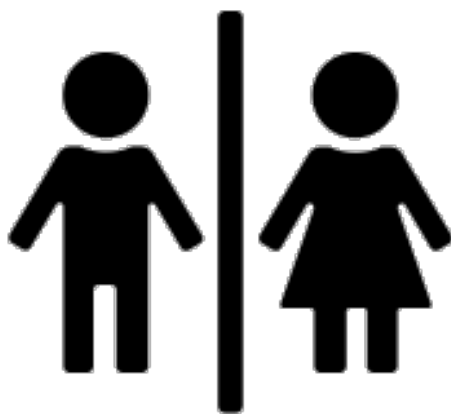
53%



37%



Sex Ratio



970

# INNOVATIVE PRACTICE- EDUCATION – IMPROVING INFRASTRUCTURE IN SCHOOLS FOR BUILDING CONDUCIVE ENVIRONMENT FOR CHILDREN / TEACHERS

## Convergence is the key

CSR INITIATIVES	Various MOU s with different organizations to improve infrastructure in schools. BaLA, Smart classes, girls toilets, girl education, learning levels.
FINANCE COMMISSION (PRI DEPT )	Operation kayakalp – renovation of schools, boundary walls, tiles , handpumps, OHT and multiple handwashing
MNREGA	Herbal parks, open gyms, nutri gardens, playgrounds
DMF & CRITICAL GAP FUND	Renovation in KGBV s, accelerated learning camps, furniture,
CIVIL SOCIAL RESP FUND	Sports equipments, scholarships,
ELECTRICTY DEPT	Electricity to all schools

# CSR initiatives

## MOU's in Education

### MoU with PFC ( Power Finance Corporation)

### MoU with SMile Foundation

### MoU with Shiv Nadar Foundation

### MoU with Naandi Foundation

### MoU with IRCTC

## Objective

- Creating smart classes
- BaLA ( Building as a Learning Aid)
- Renovations

- Labs for English and numeracy teaching
- Improving infrastructure
- RO plants and water purifiers
- Establishing solar panels
- Teachers training

- Creative videos co-terminus with syllabus
- Digital content and support in various innovative teaching
- Capacity Building of teachers around ICT

- Focusing in Girls education through Girls of Community
- bridge gaps in learning achievements
- Digital learning through tablets

- model girls toilets in 10 school premises

## Expected Outcome

To increase the exposure of children with the help of ICT.  
Renovation of the school to provide good infra  
Wall could be a learning material along with the attraction for the kids

Focussing on Foundational skills of kids (NPE-2020,also focussing on the same)  
Availability of pure drinking water in schools  
Try to providing 24\*7 light through non-conventional energy source (solar light).

To increase the exposure of children through Digital Content.  
To increase the Teachers learning around the ICT

To bridge the learning gaps between Boy child and Girl child by giving them extra 02 hrs on their academics

Creating such an Infra for Girls, which could inspire Gram Pradhans for making such infra in Schools



## BUILDING AS A LEARNING AID (BaLA)

- Grade wise appropriate BaLA in Schools
- Generic Content painted at Boundary wall/External wall (Maps, Traffic Signals, Clock, Meter length etc.)
- It helps to make Conducive environment in Schools
- Retention Increased
- Meaningful engagement of Children in classes increased
- Enrolment has increased from 2,60,983 in 2017 to 2,96,441 in 2020.
- Training of professional painters through workshop
- Monitoring of work through Partner Organization





# SMART CLASSES

- 12-15 % percent retention increased compare to non intervention schools
- Very useful to increase the learning around Linguistic Skills as kids continuously listening and watching the videos and other contents,





# IMPACT

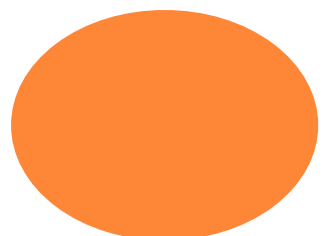
<u>KEY PERFORMANCE POINT</u>	<u>BEFORE</u>	<u>AFTER</u>
PRIMARY TO UPPER PRIMARY TRANSITION	60.87	82.36
UPPER PRIMARY TO SECONDARY TRANSITION	77.15	92.3
GIRLS TOILET	59.98	100
BALA PAINTING – 1023 COMPLETED	201	822
DRINKING WATER FACILITY		100
SMART CLASS – 374 (352 ON PROGRESS)	22	352 ( in progress )
ELECTRICITY SECONDARY LEVEL - 73.10% TO 100%	73.1	100
SOLAR LIGHT ( NON-CONVENTIONAL ENERGY)	N/A	15 PS/UPS

- Retention which increases by (attendance increased in almost 500 schools by 7% acc. to internal survey)

- Meaningful engagement of Children in classes increased

***Which is reflecting in our SAT exams in SAT-1 examination around 38% kids were in A and A+ grade bracket means they scored more than 70% in their assessment where as In SAT-2 examination A and A+ grade constitutes of 47% kids that clearly means 9% kids performed well in assessment in comparison with SAT-1***

- Enrolment has increased from 2,60,983 in 2017 to 2,96,441 in 2020



Dashboard :  
Siddharthnagar



154

Cluster



14

BEO's



37

ARP



Schools



Enrolment



Teacher

Primary

1924

(72.15%) of  
total School

235221

(79.29%) of total  
enrolment

7051

(82.12%) of total  
teachers  
55.6:1

Upper  
Primary

743

(27.85%) of total  
School

61417

(20.71%) of total  
enrolment

1536

(17.88%) of total  
teachers  
49:1

Operation KAYAKALP :  
Dashboard

Infrastructure	Current Situation	Students Covered
Building As Learning Aid	813	106790
Functional Toilets for Girls	1801	198747
Functional Toilets for Boys	1801	198747
Tiles	1120	124587
Multiple Hand wash Unit	1680	186881
Incinerator in Upper primary School	743	61417
Urinal for Girl's & Boy's	1168	130520
Boundary Wall	2104	234344

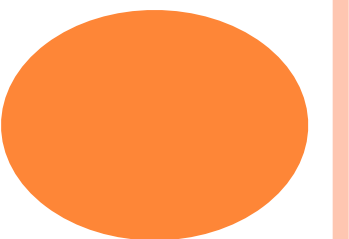


# ROLE OF SHGs IN SERVICE DELIVERY

## BC SAKHI (BANKING CORRESPONDENT)



- Total BC Sakhi operational - 440
- Total transactions done - 10,074
- Total value - Rs 2.17 crore
- Total bank accounts opened - 4378
- Total insurance done - 2689





# TRAINING AND PRESS COVERAGE



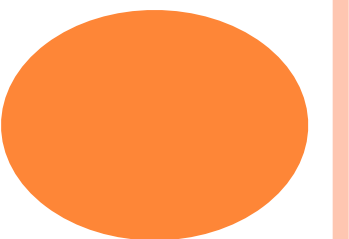


# ROLE OF SHGs IN SERVICE DELIVERY

## VIDYUT SAKHI



- Active Vidyut Sakhi - 203
- Total Bill Collection - Rs 1.5cr
- Total new connections given - 2367
- Tie up with UPPCL





# PRESS COVERAGE - VIDYUT SAKHI

खुशखबरी

बिजली बिल वसूलने का कार्य करेंगी 28 ग्रामीण महिलाएं

## आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ीं महिलाएं

संतोष श्रीवास्तव

**सिद्धार्थनगर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के आह्वान पर जिले की अब तक 28 महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है।

**सीधे रोजगार से जुड़ीं स्वयं सहायता समूह की सदस्य**

ग्रा.मी.प. महिलाओं को आर्थिक रूप से सबल बनाने की कार्ययोजना को अंतिम रूप मिलने लगा है। बिजली बिल वसूली का काम करने का बीड़ा स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों ने उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर बनने के आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की

### 28 महिलाओं ने कराया पंजीयन

बिजली बिल वसूली का काम करने के लिए पंजीयन कराने वाली महिलाओं ने भरथहवा की सुमन मिश्रा, कोल्हूआ बुजुर्ग की सुनीता देवी, मरवटिया बाजार की किरन देवी, परसौना की संगीता चौधरी, रेहरा गंगाधरपुर कुसुम देवी, मदनपुर की नीतू देवी, गड़कुल की इंद्रावती चौधरी, परसा शाहआलम की संगीता यादव, महनगा की गायत्री देवी, गायघाट की सीता देवी, रीवा नानकार की अननू यादव, परसा की सीमा देवी, ढेकहरी बुजुर्ग की निशा देवी, चंपापुर की मीरा देवी, पटखौली की लक्ष्मी श्रीवास्तव, बर्डपुर नंबर 11 की मंजू भारती, मधुकरपुर की सरस्वती विश्वकर्मा, उड़वलिया की रेखा मौर्या, धोबहा एहतेमाली की कृष्णावती देवी, तरघौना की रीना देवी, घरनिहवा अनीता, बुढ़डी खास की उमा कश्यप, बेतनार की कुसुम ओझा, महुआ खुर्द की प्रीती देवी, कूडी की सुनीता देवी, मूसा की अनीता शामिल हैं।

विशेष रुचि से अब उम्मीदों के रथ पर सवार महिलाएं आसमान छूने निकल पड़ीं हैं।

मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और बिजली निगम ने ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सबल बनाने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों

को बिजली बिल वसूली का काम एसएचजी (सेल्फ हेल्प ग्रुप) से जुड़ी महिलाओं को देने के लिए करार हुआ है।

प्रत्येक बिल की वसूली पर निगम संबंधित महिला को 20 रुपये देगा। बिल वसूली के लिए महिलाओं को जरूरी उपकरण आजीविका मिशन मुहैया कराएगा। प्रभारी उपायुक्त स्वतः रोजगार



विकास खंड उसका बाजार के गंगाधरपुर में बिजली बिल वसूली के लिए उपभोक्ता के घर पहुंची कुसुम।

शेषमणि सिंह के मुताबिक इस योजना के तहत जिले में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 150 महिला सदस्यों को सीधे रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य है।

सर्व नर्ह बिजली बिल वसूलने का कार्य करेंगी 28 ग्रामीण महिलाएं

## गांव की महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा आजीविका मिशन

**बर्डपुर (एसएनबी)।** सरकार द्वारा गांव की महिलाओं को मजबूत करने के लिए समूह के माध्यम से महिलाओं को रोजगार दिया जा रहा है, अब बर्डपुर में कई ग्राम पंचायतों में बिजली का बिल निकालने का कार्य समूह की महिलाओं ने शुरू कर दिया है। यहां कई ग्राम पंचायतों में बने सार्वजनिक शौचालय को समूह की महिलाओं के सुपुर्द कर दिया गया है, जिसके बदले महिलाओं को नौ हजार रूपए भी मिलना शुरू हो जाएगा। आजीविका मिशन गांव की महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है।

सरकार द्वारा गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समूह के माध्यम से कई कार्य मिलने शुरू हो गए हैं, बर्डपुर ब्लॉक की कई दर्जनों महिलाओं ने काम करना भी शुरू कर दिया है। सार्वजनिक शौचालय के देखरेख, साफ-सफाई का अनुबंध पत्र भी मुख्यविकास अधिकारी ने समूह की महिलाओं को सौंप दिया है, जिसके बदले महिलाओं को 6 हजार मानदेय दिया जाएगा और 3 हजार रखरखाव साफ सफाई पर मिलेगा। कुल

मिलाकर 9 हजार रूपए महीना मिलना शुरू हो जाएगा, यही नहीं अब समूह की महिलाएं गांव में बिजली का बिल निकालेगी, जिसके बदले महिलाओं को प्रति बिल निकालने पर 20 रूपए उनको मिलेगा, समूह की महिलाएं निकाल रही हैं बिजली का बिल सार्वजनिक शौचालय के रखरखाव सहित मानदेय में मद में मिलेगा 9 हजार महीना



बिजली बिल निकालती सरस्वती व मंजू भारती।

जो कि बहुत बड़ी उपलब्धि है, इससे महिलाओं की अच्छी खासी कमाई होने लगेगी। यही नहीं यहां के कई समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्य करके खुद को मजबूत किए जा रहे हैं, सबसे बड़ी बात तो ये है कि यहां आजीविका मिशन के तहत तैनात सभी कर्मियों द्वारा गांव से आने वाली महिलाओं

को समूह बनाने से लेकर कोई भी कार्य करने तक के कार्यों को बहुत विस्तृत रूप से समझा बुझाकर कार्य को अंतिम रूप देने तक लगे रहते हैं, जिसका नतीजा है कि यहां कई दर्जन समूह सक्रिय रूप से सक्रिय हो गए हैं, जिनकी आय भी ठीक ठाक हो रही है, समूह की महिलाओं को आने लाने कार्य के लिए प्रेरित करने समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए एडीओ आईएसबी विजय कुमार खुद लगे हुए हैं, तो वहीं खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि यहां की कई दर्जन महिलाएं आत्मनिर्भर हो गई हैं, अब तो समूह की महिलाएं बिजली का बिल भी निकालना शुरू कर दी हैं, कई सार्वजनिक शौचालय भी समूह की महिलाओं को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सुपुर्द करा दिया गया है। आजीविका मिशन महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है।



सक्रिय रूप से सक्रिय हो गए हैं, जिनकी आय भी ठीक ठाक हो रही है, समूह की महिलाओं को आने लाने कार्य के लिए प्रेरित करने समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए एडीओ आईएसबी विजय कुमार खुद लगे हुए हैं, तो वहीं खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि यहां की कई दर्जन महिलाएं आत्मनिर्भर हो गई हैं, अब तो समूह की महिलाएं बिजली का बिल भी निकालना शुरू कर दी हैं, कई सार्वजनिक शौचालय भी समूह की महिलाओं को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सुपुर्द करा दिया गया है। आजीविका मिशन महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है।



# ROLE OF SHG IN SERVICE DELIVERY

## MENSTRUAL HYGIENE



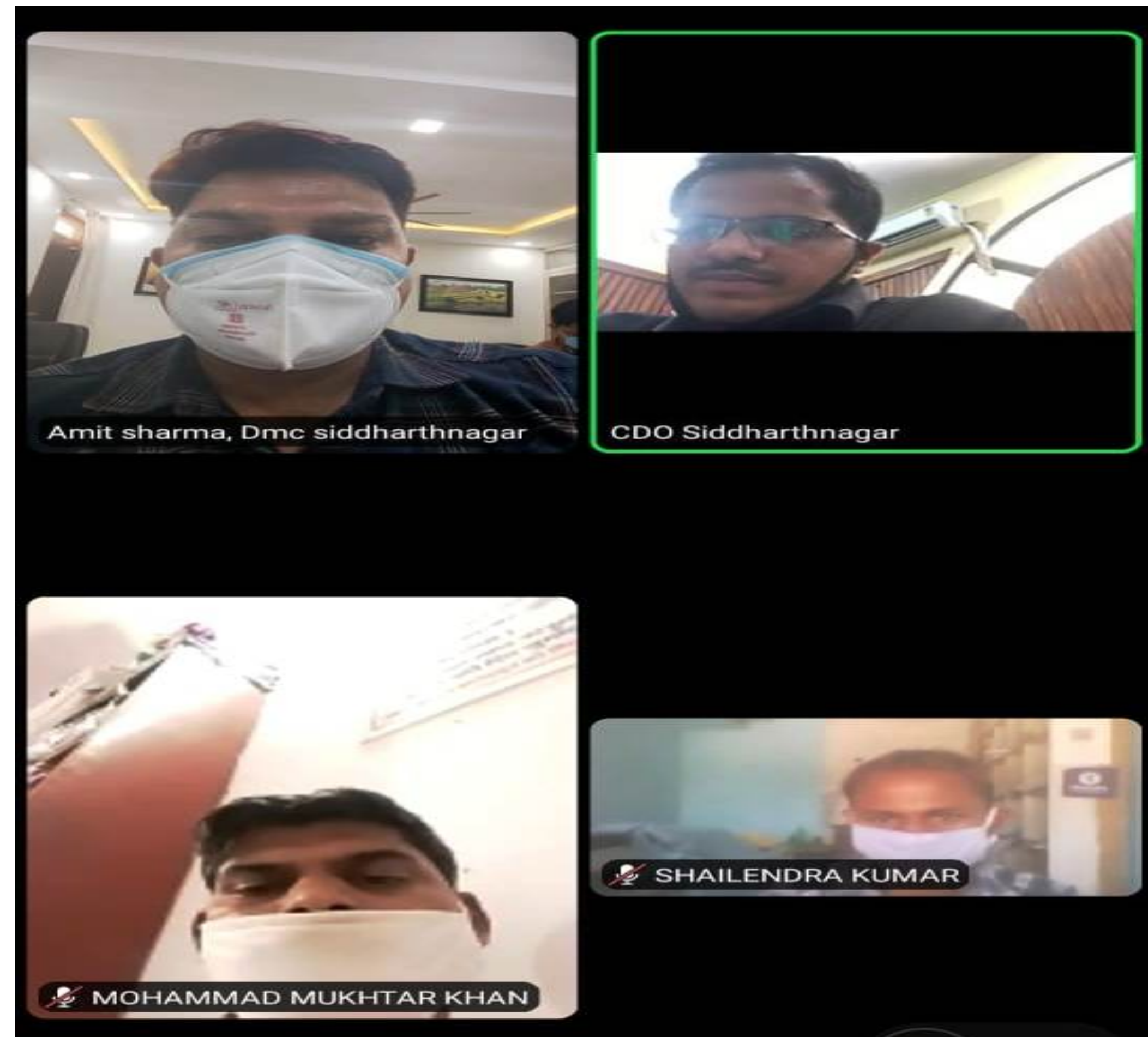
- Number of SHGs working on making sanitary napkins - 4
- Number of sanitary napkins made - 26,000



# COVID VACCINATION COLLABORATIVE EFFORT



○ Meeting with religious leaders



○ Meeting with all gram pradhan's



THANK YOU

